04.10.2020

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के 52वें स्थापना दिवस पर संबोधन

- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के 52वें स्थापना दिवस पर मैं सभी सदस्यों, छात्रों और अन्य हितधारकों को हार्दिक बधाई देता हूं। किसी संस्था का 52 वर्ष पूर्ण होना स्वयं में इसकी सफलता का परिचायक है। आपने बीते पांच दशकों से भारत के कारपोरेट जगत पर अपनी अमिट छाप छोडी है। आपने व्यवसाय को नैतिक मानदंडों पर खडा करने का काम किया है।

- आपकी संस्था की स्थापना की तारीख और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती की तारीख आस-पास है जो मुझे सही ही लगता है।

- महात्मा गांधी जी का दर्शन सत्य, अहिंसा, नैतिकता और शुचिता पर आधारित था।

- उन्होंने सदैव नैतिक मूल्यों की ज्योति को जलाए रखा। उन्होंने सम्पूर्ण समाज को सही मार्ग पर चलने को प्रेरित किया।

- उनका मानना था कि लोगों द्वारा और लोगों के लिए सरकार एक आदमी की इच्छा से नहीं चलाई जा सकती है, भले ही वह व्यक्ति चाहे कितना भी महान क्यों न हो।

- वास्तव में एक ऐसे देश के लिए जो दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला लोकतंत्र है, ऐसे सार्थक विचार बहुत महत्व रखते हैं। ये विचार ही होते हैं जो किसी व्यक्ति या संस्थान का मार्गदर्शन करते हैं।

- आज जब हम हर क्षेत्र में तीव्र गति से विकास कर रहे हैं और वैश्विक महाशक्ति बनने की राह पर इस देश को आगे ले जा रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में आपकी और आप जैसी संस्थाओं द्वारा निभाई गई भूमिका और उनके सदस्यों का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है।

- मेरा मानना है कि गवर्नेंस तभी कामयाब होगी, जब कॉरपोरेट सेक्टर के विवेक के रखवाले (Conscience keeper) यानी कंपनी सेक्रेट्री शासन की संरचनाओं को मजबूत करने और नियम या कानून के भीतर कार्रवाई करने में पूरे मनोयोग से काम करते हैं। भारतीय कारपोरेट क्षेत्र के संचालनकर्ता होने के नाते और कानून बनाने की प्रक्रिया में एक सक्रिय भूमिका निभाने वाला होने के नाते **भारतीय कंपनी सेक्रेटरी संस्थान ने** अपने मिशन और विजन को ध्यान में रखते हुए बढ़-चढ़कर कर्तव्यपालन किया है।

- संस्थान का आदर्श वाक्य है **'सत्यं वद। धर्मं चर।'** जिसका अर्थ है सच बोलो और कानून का पालन करो, जो न केवल संस्थान बल्कि सभी सदस्यों के साथ-साथ छात्रों के आचरण में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो इस राष्ट्र के

भावी कारपोरेट प्रोफेशनल बनेंगे, भारतीय कारपोरेट शासन व्यवस्था को प्रभावित करेंगे, उनके अंदर सद्गुणों का होना आवश्यक है।

- आप सभी मेरे साथ इस बात पर सहमत हैं कि शासन की गुणवत्ता में वृद्धि तभी होती है जब योग्य व्यक्तियों की शासन में एंट्री होती है। कानून बनाने या केवल कानूनों की संख्या बढ़ाने से कुछ ज्यादा फायदा नहीं होता। कानून बनाने की प्रक्रिया का स्वयं ही हिस्सा होने के नाते और हर संसदीय सत्र में नए क्रियाकलापों को देखते हुए मेरा विश्वास है कि वर्तमान कानूनों में एक व्यापकता लाने पर विचार किया जा रहा है, ध्यान दिया जा रहा है।

- कंपनी अधिनियम में संशोधन का भी उद्देश्य **"व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ावा देना'** है। मेरा मत है कि सुशासन का अर्थ अधिक कठोर होना नहीं है बल्कि इसका मतलब है कि जिन पर नियम लागू होते हैं, वे सच्चे अर्थों में कानून का पालन करने के लिए प्रेरित हों। सभी प्रशासनिक अधिकारियों से एवं जनता से अपेक्षा की जाती है वे नैतिकता और नैतिक आचरण के अनुपालन पर जोर दें।

- पिछले कुछ महीनों से ना केवल देश में बल्कि पूरे संसार में कोरोना महामारी फैलने से भारतीय अर्थव्यवस्था भी व्यापक रूप से प्रभावित हुई है और चूंकि कारपोरेट क्षेत्र राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न हिस्सा है, इसलिए उनका बने रहना, ठीक से काम करना और उनकी दीर्घकालिक सफलता भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए बहुत जरूरी है। इसके लिए हमें अपने सामाजिक हितों के प्रति जागरूक होना जरूरी है।

- यह सभी बातें कारपोरेट शासन को और अधिक महत्व प्रदान करती हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि **कंपनी सेक्रेटरी** प्रभावी राष्ट्रीय शासन देने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं।

- इस वर्ष के स्थापना दिवस के लिए आपकी थीम है – **"गवर्नेंस ग्रासरूट्स टू ग्लोबल"** जो वास्तव में बहुत ही सामयिक एवं प्रासंगिक है।

- यह थीम राष्ट्र की सेवा तथा मानव क्रिया के सभी क्षेत्रों में शासन को और मजबूत करने के लिए आपकी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

- यह केवल समय की बात है कि आपके संस्थान द्वारा विकसित कोड पंचायत प्रशासन के लिए हो, या चैरिटी गवर्नेंस के लिए हो, सभी संबंधित संस्थाओं की कार्यप्रणाली के लिए आवश्यक होगा।

- मुझे जानकर खुशी है कि आईसीएसआई अपने सप्ताह भर के कार्यक्रमों में संहिताओं के प्रति एक संवेदनशीलता विकसित करने के प्रयास की ओर समर्पित है।

- मुझे लगता है कि आईसीएसआई के सभी परिषदों और चैप्टर्स के साथ-साथ भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बधाई देना उचित होगा। यही नहीं, मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में आइसीएसआई कानून बनाने और कानून के पालन में और अधिक उत्साहपूर्ण तरीके से भाग लेगा।

- ग्रासरूट स्तर पर शासन के बारे में बात करने के बाद वैश्विक मोर्चे पर आपके द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के लिए मैं इस संस्था और इसके सभी सदस्यों को बधाई देता हूँ।

- **चार्टर्ड सेक्रेटरी इंटरनेशनल एसोसिएशन** में सदस्यता के साथ ही पदाधिकारियों के रूप में आपकी उपस्थिति का उपयोग **वैश्विक प्रशासन परिदृश्य** को प्रभावित करने के लिए किया जाना चाहिए। सचिव पद से शुरुआत करने के बाद आइसीएसआई ने अंतर्राष्ट्रीय मंच के शीर्ष पद तक का सफर तय किया है। मैं इसके लिए आपके प्रयासों की सराहना करता हूँ।

- आपके संस्थान द्वारा दुनिया भर के विभिन्न शहरों, देशों और महाद्वीपों में आइसीएसआई के ओवरसीज सेंटरों का उद्घाटन किया जा रहा है, जो निश्चित रूप से शासन की कनेक्टिविटी और प्रसार को बेहतर बनाएगा।

- यह खुशी की बात है कि आईसीएसआई की गतिविधियां, अपने और अपने सदस्यों के माध्यम से अच्छा कॉरपोरेट्स प्रशासन सुनिश्चित करने मात्र से बढ़कर हैं।

- अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार के मिशनों में तत्परता से भाग लेकर इसे सफल बनाते हुए आइसीएसआई राष्ट्र निर्माण में योगदान देती है।

- यह आपकी संस्था की अनूठी पहल है कि आईसीएसआई **"एकेडेमिक कनेक्ट"** पहल के माध्यम से अन्य शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ संबंध बनाए जा रहे हैं और इसमें किए गए समझौता ज्ञापनों से देश भर में शिक्षा के लिए एक सहयोगी तालमेल बनाने की पहल की गई है जिसके दीर्घकालिक सुपरिणाम होंगे।

- विविध भूमिकाएं निभाने वाले इस संस्थान के लिए आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है। मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी महसूस हो रही है कि संस्थान ने इस अवसर का उपयोग भारत सरकार की पहल का समर्थन करने के लिए किया है।

- 'फिट इंडिया मूवमेंट' का समर्थन करते हुए **"अखिल भारतीय फिटनेस कार्यकलाप"** आयोजित करना एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए आइसीएसआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- मैं संस्थान को शुभकामना देता हूं कि आप वैश्विक सुशासन को बढ़ावा देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। मुझे उम्मीद है कि सभी सदस्य और छात्र अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को समझते हुए इस पहल को सफल बनाएंगे।

- मैं आशा करता हूं कि संस्थान द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की व्यापकता निश्चित रूप से शैक्षणिक और व्यावसायिक संस्थानों के लिए एक मिसाल बनेगा।

- **कंपनी सचिवों ने** कारपोरेट के संबंध में अपनी भूमिका को बेहतरीन बनाते हुए, कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए और कारपोरेट की विकास यात्रा में उनका मार्गदर्शन किया है।

- इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनते हुए उन्होंने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। इसके लिए मैं आप सबको बधाई देता हूं।

- मैं एक बार फिर से संस्थान और समस्त बिरादरी को 52 वर्षों की उपलब्धियों एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान की यात्रा पर अपनी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।